

संपादकीय

आतंक की जड़ पर चोट

मंगलवार तड़के पाकिस्तान के बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के मुख्य ट्रेनिंग सेंटर को तबाह करके भारतीय वायुसेना ने वैश्विक शांति को संबल ही दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जैश एक बड़े फिदायीन हमले की तैयारी में था, इसीलिए उसके मुख्यालय को निशाना बनाया गया। भारतीय वॉर रूम के निर्देशन में यह कार्रवाई इतनी सधी हुई थी कि पाक सेना व नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचाये बिना ही आतंक की पाठशाला को नेस्तनाबूद कर दिया गया। हालांकि, इस कार्रवाई की सूचना सबसे पहले पाक सेना ने ट्वीट करके दी, मगर बाद में दोगली नीति दर्शाई। पहले तो कहा कि पाक वायुसेना की सतर्कता से भारतीय लड़ाकू विमान अपना पेलोड गिराकर निकल गये। फिर विदेश मंत्री ने इसे पाक संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए वक्त आने पर बदला लेने की बात कही, जो अपने आप में विरोधाभासी है। बहरहाल, भारत सरकार ने पुलवामा हमले के बाद देश की जनता के आतंक की जड़ पर प्रहार करने के सबल-आग्रह को हकीकत में अंजाम दे दिया। इस कार्रवाई ने देश का मनोबल बढ़ाया है। पाक को सबक सिखाया है कि भारत के धैर्य की परीक्षा लेते हुए दशकों गुजर गये, अब भारत सॉफ्ट स्टेट नहीं रहा।

निःसंदेह भारत ने आतंक की कमर तोड़ने के लिए सैन्य विकल्प का ही बेहतर व नियंत्रित उपयोग नहीं किया, साथ ही कूटनीतिक मोर्चे पर सफलता हासिल की। अब तक पाक के आका कहे जाने वाले अमेरिका से पहले ही संदेश आ गया था कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है। भारत सरकार ने पुलवामा हमले के बाद तमाम विदेशी राजनयिकों के सामने इसमें पाक की भूमिका व आतंकवाद को प्रश्रय की नीति की कलाई खोल दी है। कार्रवाई के बाद भी तमाम राजनयिकों को आतंक की बालाकोट नर्सरी के सचित्र विवरण देकर पाक को बेनकाब किया। वहीं उसके खास दोस्त चीन ने भी घटना के बाद सधी प्रतिक्रिया दी है और शांति से मामले के निस्तारण की बात कही है। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य बदला है, पाक पोषित आतंकवाद से त्रस्त अफगानिस्तान और ईरान भी उसके खिलाफ खड़े हैं। आर्थिक रूप से दिवालिया होने के कगार पर खड़े पाक की अंतर्राष्ट्रीय हैसियत व माली हालत ऐसी नहीं है कि भारत के साथ बड़े युद्ध को विस्तार दे। फिर भी भारत को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है कि पाकिस्तानी समर्थन से पाक व विदेशी आतंकवादी भारत व विदेश में भारतीय प्रतिष्ठानों को आतंक का शिकार न बना सकें। वहीं यह सफल कार्रवाई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में ?भी दूरगामी प्रभाव डालने वाली होगी। सरकार व राजग के घटक दलों में उत्साह का अतिरेक इसका पर्याय है।

आधार के नए नियमों को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मोबाइल सिम कार्ड लेने तथा बैंक खाता खुलवाने में पहचान पत्र के तौर पर आधार के स्वैच्छिक इस्तेमाल को मान्यता देने वाले अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। अध्यादेश शनिवार को जारी कर दिया गया। इससे संबंधित विधेयक लोकसभा में पारित होने के बाद राज्यसभा में पारित नहीं हो पाया जिसकी वजह से सरकार को यह अध्यादेश लाना पड़ा। मंत्रिमंडल ने आधार तथा दो अन्य विधेयकों में प्रस्तावित बदलावों को अमल में लाने के लिये पिछले सप्ताह अध्यादेश लाने को मंजूरी दे दी थी। संशोधन में आधार के इस्तेमाल एवं निजता से जुड़े नियमों के उल्लंघन के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। अध्यादेश में किसी व्यक्ति द्वारा प्रमाण के लिये दी गयी जैविक पहचान की सूचनाएं और आधार संख्या का सेवा प्रदाता द्वारा अपने पास जमा रखने को प्रतिबंधित किया गया है।



अध्यादेश के जरिये आधार कानून में यह बदलाव भी किया गया है कि कोई भी बच्चा 18 साल का हो जाने के बाद आधार कार्यक्रम से बाहर निकलने का विकल्प चुन सकता है।

अध्यादेश में यह भी सुनिश्चित हो गया है कि बैंक खाता खोलना हो या मोबाइल फोन सिम कार्ड लेना हो, आधार पेश नहीं करने की स्थिति में किसी भी सेवा से उपभोक्ता को इंकार नहीं किया जा सकता है। इसमें प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले निकायों पर एक करोड़ रुपए तक का आर्थिक जुर्माना तथा अनुपालन नहीं करना जारी रखने की स्थिति में प्रति दिन 10 लाख रुपए के अतिरिक्त जुर्माने का प्रावधान है। आधार के अवैध इस्तेमाल की स्थिति में तीन साल तक की कैद और 10 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया है। यदि अवैध इस्तेमाल करने वाला निकाय कोई कंपनी हुई तो जुर्माना एक लाख रुपए तक हो सकता है। अध्यादेश के जरिये आधार कानून की धारा 57 को हटा दिया गया है। यह धारा निजी कंपनियों, इकाइयों द्वारा आधार के इस्तेमाल से जुड़ी है।

साइबर हमलों से निपटने भारत सरकार खोलेगी साइबर अकादमी, 600 करोड़ आया खर्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। साइबर हमलों से निपटने के लिए भारत सरकार तैयारी कर रही है। सरकारी कंपनी टेलीकॉम कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) जल्द ही आईपीओ लेकर आने वाली है। वह इससे 1500 करोड़ रुपए जुटाएगी। इसमें से करीब 600 करोड़ रुपए कंपनी के विस्तार पर खर्च किए जाएंगे। विस्तार के तहत साइबर अकादमी खोली जाएगी और भारत नेट प्रोजेक्ट जैसे कई प्रोजेक्ट को पूरा कर भारत को मजबूत किया जाएगा। साइबर अकादमी में प्रशिक्षण की जरूरतों को पूरा किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ इस साल के मध्य में बाजार में आने की संभावना है। टीसीआईएल छह केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से एक है जिसे सरकार पब्लिक इश्यु के जरिए स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव रख रही है।

जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने उड़ान प्रशिक्षण इकाई को बेचा

नई दिल्ली (आरएनएस)। जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर ने सोमवार को कहा कि उसकी अनुषंगी जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएल) ने अपनी उड़ान इकाई को पूरी तरह बेच दिया है। हालांकि कंपनी ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि यह सौदा कितनी राशि का है। जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर ने शेयर बाजारों को दी गयी जानकारी में कहा है, जीएचआईएल...ने एक अज्ञात राशि पर एशिया पैसिफिक फ्लाइट ट्रेनिंग एकेडमी लिमिटेड (एपीएफटीएल) नामक अपनी अनुषंगी के 100 प्रतिशत शेयरों को एक तीसरे पक्ष को बेच दिया है। कंपनी ने कहा है कि इस बिक्री के साथ ही एपीएफटीएल अब जीएचआईएल और जीआईएल की अनुषंगी नहीं रह गयी।

मुंबई (आरएनएस)। कुछ सरकारी एजेंसियों और पब्लिक यूटिलिटी के लिए डिजिटल पेमेंट पर बैंक चार्ज ग्राहकों से ही वसूल जा रहे हैं जबकि मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया को प्रमोट करने के लिए ग्राहकों को इससे राहत देने का निर्देश दिया था। कुछ

आरबीआई और सरकार के निर्देश के बावजूद बैंकों ने डिजिटल पेमेंट्स पर की 200 करोड़ की अवैध आर्थी रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई (आरएनएस)। कुछ सरकारी एजेंसियों और पब्लिक यूटिलिटी के लिए डिजिटल पेमेंट पर बैंक चार्ज ग्राहकों से ही वसूल जा रहे हैं जबकि मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया को प्रमोट करने के लिए ग्राहकों को इससे राहत देने का निर्देश दिया था। कुछ

मामलों में न केवल बैंक चार्ज अवैध तरीके से ग्राहकों पर थोपे जा रहे हैं बल्कि अनुमति से ज्यादा रकम वसूली जा रही है। डिजिटल पेमेंट्स पर सरचार्ज का अध्ययन करने वाले आईआईटी बॉम्बे में गणित विभाग के आशीष दास के मुताबिक, पिछले वर्ष में सिर्फ ऑनलाइन पेमेंट्स पर 200 करोड़ रुपये अनधिकृत वसूली की गई है। दिल्ली में यूपीआई के जरिए बिजली बिल पेमेंट करने वालों को बिल अमाउंट से 1 व ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही है। मुंबई में टाटा पावर के ग्राहकों का बिजली बिल 2 हजार रुपये से ज्यादा जबकि दिल्ली में 5 हजार रुपये से ज्यादा होने पर सरचार्ज देना पड़ता है। इसी तरह, आईआरसीटीसी से टिकट बुक करते वक्त यूपीआई से 2 हजार रुपये से ज्यादा के पेमेंट अतिरिक्त 10 रुपये और जीएसटी देना पड़ रहा है।

10 वर्टिकल्स में बांटी गई टाटा ग्रुप की कंपनियां

मुंबई (आरएनएस)। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने कंज्यूमर से लेकर ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट तक 10 वर्टिकल्स में 104 अरब डॉलर के इस ग्रुप को बांट दिया है। मामले से वाकिफ दो लोगों ने बताया कि होल्डिंग कंपनी के प्रतिनिधि इन वर्टिकल्स का कामकाज आसानी से चलाने के लिए को-ऑर्डिनेट कर रहे हैं। चेंबरमैन एन चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में ये वर्टिकल बनाने से 95 से ज्यादा कंपनियों को अपने कामकाज में तालमेल बैठाने और लागत घटाने में मदद मिलेगी। यह ग्रुप टाटा मोटर्स सरीखी अपनी कंपनियों में बहुत ज्यादा इन्वेयरमेंट्स की स्थिति का सामना कर रहा है। इसमें सबसे मुश्किल काम कंज्यूमर और रिटेल वर्टिकल को एकसाथ रखने का रहा है क्योंकि इन सेगमेंट्स में टाटा केमिकल्स, टाटा ग्लोबल बेवरेजेज, टाइटन, वोल्टास, क्रोमा और वेस्टसाइड सरीखी कंपनियां हैं। ग्रुप ने होटल और एंक्विशन से जुड़े अपने कारोबारों यानी इंडियन होटल्स, टाटा एसआईए एयरलाइन को ट्रेवल और टूरिज्म वर्टिकल में रखा है। यह कंसॉलिडेशन ऑपरेंटिंग कॉस्ट कम करने और ग्राहक बढ़ाने की टाटा संस की योजना के तहत किया गया है। एक सीनियर अधिकारी ने कहा, वर्टिकल हेड की भूमिका हर वर्टिकल की कंपनियों के बीच को-ऑर्डिनेट और फैसिलिटेटर की रहेगी।

महिला क्रिकेट: इंग्लैंड ने भारत को दिया 161 रनों का लक्ष्य



गुवाहाटी (आरएनएस)। सलामी बल्लेबाज टेमी बेयूमोंट (62) की पारी की बदौलत इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को बीरसापरा क्रिकेट स्टेडियम में जारी पहले टी-20 मैच में भारत के सामने 161 रनों का लक्ष्य रखा है। बेयूमोंट के अलावा अंत में कप्तान हीथर नाइट ने 20 गेंदों में सात चौकों की मदद से 40 रनों की पारी खेल अपनी टीम को 20 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 160

रिपोर्ट में खुलासा मुंबई (आरएनएस)। कुछ सरकारी एजेंसियों और पब्लिक यूटिलिटी के लिए डिजिटल पेमेंट पर बैंक चार्ज ग्राहकों से ही वसूल जा रहे हैं जबकि मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया को प्रमोट करने के लिए ग्राहकों को इससे राहत देने का निर्देश दिया था। कुछ

आज का राशिफल

शुभ:- आज आप घर की बातों के प्रति अधिक ही ध्यान देंगे। परिवर्तनों के साथ बैठकर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। घर की बैठकपालट करने के लिए कुछ नई साज-सजावट का विचार करेंगे।
 दुःख:- विदेश में स्थित सेहीजन तथा मित्रों के समाचार आपको आनंद प्रदान करेंगे। विदेश जाने के इच्छुक व्यक्ति यों के लिए अच्छा अवसर है। लंबे प्रवास का आयोजन हो सकता है।
 मिथुन:- आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। क्रोध और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। मानहानि न हो, इसका ध्यान रखें।
 शरीरिक और मानसिक रूप से आज आप अस्वस्थ हो सकते हैं। स्वर्ण अधिक होने से आर्थिक रूप से तंगी का अनुभव हो सकता है।
 कर्क:- आज का दिन मित्रों और स्वजनों के साथ आनंदपूर्ण बिता सकते हैं। मनोरंजक प्रवृत्तियों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार के क्षेत्र में लाभ होने की संभावना अधिक है। साझेदारों से लाभ होगा।
 सिंह:- स्वास्थ्य के पीछे धन स्वर्ण हो सकता है। आज खान-पान घर का ही करें तो लाभदायी रहेगा। नकारात्मक विचार मन में न आने दें। व्यवसाय में साथ काम करने वालों का सहयोग आज नहीं मिलेगा।
 कन्या:- आज विचारधियों के लिए समय कठिन है। संतान के भविष्य की चिंता आपको हो सकती है। शेर-सड़े में ध्यान रखना होगा। मन में स्वभाव का अनुभव हो सकता है।
 तुला:- आज आप शारीरिक रूप से थिथिलता और मानसिक रूप से व्यथता का अनुभव कर सकते हैं। माता के विषय में चिंता हो सकती है। प्रवास को आज संभव हो तो टाल दें। परिवारिक वातावरण में कलह न हो, ध्यान रखें।
 बुधिक:- नए कार्य के प्रारंभ के लिए आज का दिन शुभ है। दिनभर प्रसन्नता बनी रहेगी। परिवर्तनों के साथ आप आनंदपूर्ण समय बिता सकते हैं। वाणी पर संयम रखें। स्वर्ण की मात्रा आज बढ़ न जाए इसका ध्यान रखें।
 धनु:- आज आपका मन दुःखियों को फंसा रहेगा। परिवारिक वातावरण खराब न हो, ध्यान रखें। निर्धारित कार्यों को पूर्ण न कर पाने से मन में हताशा हो सकती है।
 मकर:- आज मन प्रफुल्लित रहेगा। आज मन से आप धार्मिक रहेंगे। परिवारिक वातावरण मंगलमय रहेगा। मित्रों और सेहीजनों से आपको उपहार प्राप्त होगा।
 कुंभ:- आज शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थता हो सकती है। परिवर्तनों के साथ कलह होने की आशंका है। धन की लेनदेन या पूंजी निवेश करते समय ध्यान रखें। अवलंती कार्यवाही में संभलकर चलें।
 मीन:- आज आकस्मिक धन लाभ की संभावना अधिक है। संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होगा। बचपन या पुत्रने मित्रों के साथ भेंट होने से आनंद छाया रहेगा।

कढ़ाई मशरूम रेसिपी

कढ़ाई पनीर से अलग इस बार कढ़ाई मशरूम की रेसिपी करें। लंच हो या डिनर इसे कभी भी कर सकते हैं एंजोया।
सामग्री:
 2 कप मशरूम कटे हुए, 1 इंच अदरक कटी हुई, 4-5 लहसुन की कलियां, 1 शिमला मिर्च लंबी कटी हुई, 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 6-7 करी पत्ता, आधा बड़ा चम्मच राई, 2 बड़े प्याज कटे हुए, 3 टमाटर की प्यूरी, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, 1 बड़ा चम्मच गरम मसाला, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 बड़ा चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक



और अदरक को पीसकर पेस्ट बना लेंगे। अब मीडियम आंच पर एक पैन में तेल डालकर गरम होने के लिए रख देंगे। जब तेल गरम हो जाए तो इसमें राई और करी पत्ता डालकर तड़काएंगे। फिर इसमें प्याज का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भून लेंगे। इसके बाद इसमें टमाटर का पेस्ट, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर ग्रेवी के तेल छोड़ने तक पकाएं। बीच-बीच में चलाते रहें। अब इस मसाले में मशरूम, कटी शिमला मिर्च और नींबू का रस डालकर भुंयेंगे। इसके बाद इसमें एक कप पानी डालें और धीमी आंच 10-15 मिनट तक पकाएं। जब सब्जी पक जाए तो इसमें गरम मसाला और धनिया पत्ती डालकर आंच बंद करें और गर्मागर्म सब्जी सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-96

बाएँ से दाएँ
 1. जीव, फतेह 3. राशन सामान 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दुष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।
ऊपर से नीचे
 1. शारी, व्याह 2. अनाथ, दुष्टित, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. स्वयं 12. बुलावा, निर्मंत्रण 14. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

अ	त	म	री	ज			
ग	ह	न	ता	ब	र	ब	स
की	धि	स्कार	र	मा			
का	का	द	वा	खा	ना		
प	त	वा	र	स्तर			
ह				दा	मि	नी	
ना	ए	ह	ति	या	त	ला	
वा	च	क	हा	खू	ब		
ता	ब	डू	तो	डू	र		

सू-दोक्-96

बाएँ से दाएँ
 1. जीव, फतेह 3. राशन सामान 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दुष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।
ऊपर से नीचे
 1. शारी, व्याह 2. अनाथ, दुष्टित, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. स्वयं 12. बुलावा, निर्मंत्रण 14. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

अ	त	म	री	ज			
ग	ह	न	ता	ब	र	ब	स
की	धि	स्कार	र	मा			
का	का	द	वा	खा	ना		
प	त	वा	र	स्तर			
ह				दा	मि	नी	
ना	ए	ह	ति	या	त	ला	
वा	च	क	हा	खू	ब		
ता	ब	डू	तो	डू	र		

शब्द सामर्थ्य-96

बाएँ से दाएँ
 1. जीव, फतेह 3. राशन सामान 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दुष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।
ऊपर से नीचे
 1. शारी, व्याह 2. अनाथ, दुष्टित, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. स्वयं 12. बुलावा, निर्मंत्रण 14. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

अ	त	म	री	ज			
ग	ह	न	ता	ब	र	ब	स
की	धि	स्कार	र	मा			
का	का	द	वा	खा	ना		
प	त	वा	र	स्तर			
ह				दा	मि	नी	
ना	ए	ह	ति	या	त	ला	
वा	च	क	हा	खू	ब		
ता	ब	डू	तो	डू	र		